FESTIVAL HINDU

शिव जी की आरती pdf

ॐ जय शिव ओंकारा, स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

एकानन चतुरानन, पंचानन राजे।
हंसासन गरुड़ासन, वृषवाहन साजे॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

दो भुज चार चतुर्भुज, दस भुज अति सोहे।
त्रिगुण रूप निरखते, त्रिभुवन जन मोहे॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

अक्षमाला बनमाला, रुण्डमाला धारी।
चन्दन मृगमद सोहै, भाल चंद्रमासारी॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

श्वेतांबर पीतांबर, बाघांबर अंगे।
सनकादिक गरुणादिक, भूतादिक संगे॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

कर के मध्य कमंडल, चक्र त्रिशूल धर्ता।
जगकर्ता जगभर्ता जग पालनकर्ता॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

ब्रम्हा, विष्णु, सदाशिव, जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर मध्ये ये तिनो एका॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

काशी में विश्वनाथ विराजत नंदी ब्रह्मचारी।
नित उठ भोग लगावत महिमा अतिभारी॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

त्रिगुण स्वामी जी की आरती जो कोई नर गावे।
कहत शिवानंद स्वामी मनवांचित फल पावे॥
ॐ जय शिव ओंकारा...

www.festivalhindu.com